Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-3

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Online – 07.08.2023 **UPSC Roll No.: 6307371**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	1	53
Section-B	2	56
(Grand Total)		109

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

- निबंध में समय की कमी नहीं होती है, इसलिए आयामों पर विचार करें व अधिकतम आयामों को शामिल करें। प्रवाह निबंध को दिशा प्रदान करता है, इसलिए संयोगी शब्दों के माध्यम से पैराग्राफ बनाएं।
- उदाहरणों का प्रयोग अपेक्षित है।
- रोचकता, निबंध को पाठक से जोड़े रखती है।
- प्रयास करते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निबन्ध -3

(3) सिनेमा इस बात का मामला है कि फ्रेम में क्या है और बाहर क्या

Good

भारत के पद्म पुरस्कारों के वितरण के अवसर पर जब तालियां सिंधुताई सपकाल और तुलसी गौड़ा के कार्यों की सराहना कर रही थी तो भारतीयता की वह तस्वीर सामने दिखी जिससे पर्दे के पीछे व पर्दे के आगे का बोध हुआ।

अमूमन हम भौतिकीकरण एवं चकाचौंध भरी दुनिया की व्यस्तता में यह भूल ही जाते हैं कि वास्तव में इस प्रकृति एवं मानवता को सँवारने में किनका योगदान है। यह एक प्रमाणित तथ्य बन चुका है कि हमारी फ्रेम के पीछे एवं भी फ्रेम के सामने की कहानी सर्वथा विपरीत है।

वास्तव में दो पहलूओं के बीच जीवन गुजारने को एक ही सिक्के से सम्बन्धित माना जाता है। यह इस बात का द्योतक भी है कि वास्तविकता एवं मानसिकता में भी कहीं अन्तर स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

वैदिक काल में महिलाओं की उचित स्थिति महिला-पुरुष समता को प्रतिबिम्बित करती है किन्तु यह समभाव उत्तर-वैदिक काल आते-आते उलट गया। अब महिलाओं की सामाजिक स्थिति परिवर्तित हो चुकी थी। जाति प्रथा का विकास हो चुका था और गोत्र निर्माण प्रारम्भ होने लगा था।

अंग्रेजी राजसत्ता के भारतीय क्षेत्र में स्थापना के साथ ही अंग्रेजों ने मनमानी नीतियाँ आरोपित करनी प्रारम्भ कर दिया है - डाक्ट्रीन ऑफ लैप्स एवं सबसिडियरी अलायंस। भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि ये नीतियाँ उनके पक्ष में हैं।

1773 के रेग्यूलेटिंग एक्ट से लेकर 1947 के स्वतंत्रता अधिनियम तक अंग्रेजों की नीति भारतीयों को अंधकार में रखने की ही रही। ईसाईकरण की प्रक्रिया, बाँटो और राज करो की नीति, बंगाल विभाजन आदि के द्वारा अपने मूल उद्देश्य को पीछे रखकर अंग्रेजों ने भारतीयों पर कड़ा प्रहार किया जिससे हमने धीरे-धीरे समझा।

इस विषय को सिर्फ सोशल से जोड़ें। क्योंकि इसमें विषय से भटकाव दिखायी देता है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत एक पंथनिरपेक्ष एवं समाजवादी देश है। मुख्य भूमि भारत से सिलीगुड़ी गलियारे द्वारा जुड़े हुए पूर्वी भारत की कहानी कुछ और ही बयाँ करती है जहाँ एक ओर भारत साक्षरता के 75% तक पहुँच गया है वहीं उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से उतनी साक्षरता नहीं है।

वैश्विक पटल पर भारत की स्थिति एक सम्प्रभु एवं समावेशी राष्ट्र की है जिसने शरणार्थी समस्या को बहुत अच्छे से डील किया है किन्तु इसका प्रभाव पूर्वी राज्यों की जनसांख्यिकी, दिन-प्रतिदिन के पूर्वानुमेय खतरों के रूप में देखने को मिला है।

दूसरी ओर भारत ने अनु. 370 हटाकर अपनी एकता व अखण्डता को अक्षुण्ण तो किया है लेकिन घाटी के लोगों के मन में व्याप्त डर का समापन करने की आवश्यकता है। सीसे में दिख रहा भारत और सीसे के पीछे के भारत को एक करना बेहद जरूरी है ताकि गिलगित-बाल्टिस्तान के भारतीय सम्प्रभु क्षेत्र तक अमन और चैन फैलाया जा सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

NALSA बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से पूर्व LGBTQ समुदाय को अधिकारों की सुनिश्चितता प्रदान नहीं की गयी थी। आज भी LGBTQ समुदाय की संसद में कोई हिस्सेदारी नहीं है और ना ही उन्हें सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान किया गया है।

महिलाओं को भारत में देवी स्वरूप पूजनीय माना गया है किन्तु आये दिन होने वाली बलात्कार की घटनाएँ एवं ऑनलाइन अपराध हमारा मस्तक झुकाने के लिए नाकाफी थोड़े हैं। संसद में 12% हिस्सेदारी महिला अधिकारों की कहानी कह डालती है।

(जस्टिस) लीला सेठ ने अपनी किताब ऑन बैलेंस में महिला को न्यायिक क्षेत्र में आने वाली परेशानियों का वर्णन किया है। आये दिन लगभग 25000 तस्वीरें लैंगिक अपराध से सम्बन्धित होती हैं जो सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाती हैं। दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य भारत अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सिनेमा के संदर्भ को न छोड़े। केवल फ्रेम के आधार पर ही लिखिये न लिखें।

राजनीति में नौकरशाही को अहम स्तम्भ माना जाता है। नौकरशाहों का मूल कार्य नीति-निर्माण में मंत्रिमण्डल की सहायता करना होता है जो अशोक स्तम्भ के चौथे अदृश्य शेर की भाँति भारतीय सरकार की सहायता करता है।

राजनीतिज्ञ पर्दे के आगे रहकर काम करते हैं तो नौकरशाह पर्दे के पीछे। आज सोशल मीडिया के जमाने में यह प्रवृत्ति भी धुँधली होती नजर आ रही है। नौकरशाह सोशल मीडिया के द्वारा सीधे अपने कार्य जनता तक पहुँचा रहे हैं जिससे अनामिकता के गुण का ह्रास हो रहा है।

इस तरह स्वयं की ऑनलाईन अभिव्यक्ति के सकारात्मक व नकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अरुणा रॉय द्वारा RTI के लिए किया गया आन्दोलन हमें याद करना चाहिए क्योंकि जिस RTI की बदौलत शासन में पारदर्शिता स्थापित हुई एवं लोगों को शासन में भागीदारी का अवसर मिला। उसके पीछे की कहानी अरुणा रॉय द्वारा ही लिखित और निर्देशित की गयी थी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में रूस और अमेरिका के मध्य हुए शीत युद्ध के बारे में हम परिचित हैं ही किन्तु इसके प्रभावों की व्याधि से ना केवल ये दोनों देश अपितु सारा संसार त्रस्त रहा। चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स की नीति का मुख्य उद्देश्य भारत की घेराबंदी है।

चीन अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वैश्विक बुनियादी संरचना को सामने रखकर भारत को घेर रहा है ताकि एशिया में चीन के समक्ष कोई अन्य शक्ति ना हो। इस हेतु चीन अन्य देशों को अपने ऋण जाल में भी फँसाता जा रहा है।

भारत अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अमेरिका के साथ सम्बन्ध स्थापित करने की ओर अग्रसर हुआ है। क्वॉड एवं I2U2 की स्थापना इस दिशा का महत्वपूर्ण प्रयास हैं। दुनिया के सामने किसी अन्य कारण का हवाला देकर अपनी स्थिति मजबूत करना अथवा अन्य देश के प्रति दुर्भावना रखना ही फ्रेम के दोनों तरफ दो चेहरे रखने की रणनीति है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 60% लोग कृषि पर निर्भर करते हैं। कृषकों की स्थिति सुधारने के लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही है जिसका प्रभाव किसानों के जीवन पर पड़ा है। जैसे - प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, हर खेत को पानी आदि।

कौशल विकास की प्रक्रिया के अभाव में लोगों की रोजगार तक सीमित पहुँच थी अतः भारत सरकार के प्रयासों से कौशल क्षेत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। इसका सम्मिलित प्रभाव लोगों की बढ़ती रोजगार पहुँच के रूप में पड़ा है।

जनजातीय क्षेत्र को विकास कार्यों में उपेक्षा का सामना करना पड़ा है अर्थात ये हमेशा फ्रेम से दूर ही रहे किन्तु जब से पृथक जनजाति विकास मंत्रालय की स्थापना हुई तब से विकास ने रफ्तार पकड़ी है। वन-धन विकास योजना के माध्यम से इनकी आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा ताकि जनजातीय समुदाय भी भारत के समावेशी विकास का अंग बन सके।

जनजातीय क्षेत्रों की प्रकृति के क्षेत्र में चयन की प्रक्रिया एक प्रमुख चिंता है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

COVID-19 के दौरान वैक्सीन का विकास करने में अत्यधिक समय लगा लेकिन वैक्सीन निर्माण के बाद यह तुरन्त सभी लोगों तक पहुँचाई जाने लगी। प्रथम लहर के दौरान अत्यधिक लोगों ने जान गँवाई वहीं एक नकारात्मक प्रवृत्ति भी लोगों में देखने को मिली - ब्लैक मार्केटिंग एवं अति-उच्च कीमत पर दवाओं की बिक्री।

इसके अलावा भी दूसरी लहर के दौरान लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। न्यूट्रिनो वेधशाला लगाने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित स्थल तामिलनाडु में लोगों ने विरोध करना प्रारम्भ कर दिया क्योंकि उन्हें हानिकारक कचरे और विकिरणों का भय था।

5G व 6G प्रयोगों का लोगों के जीवन पर प्रभाव अत्यधिक पड़ेगा किन्तु इससे आगामी खतरों जैसे - विकिरण के कारण पक्षियों के नेवीगेशन तंत्र में समस्या आदि को अनदेखा नहीं किया जा सकता जो कि फ्रेम के बाहर का मामला है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत 1988 की वन नीति के आधार पर कुल क्षेत्रफल के 33% तक वन लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस हेतु नवीन वन संशोधन विधेयक हाल में संसद में लाया गया। इसे भारतीय वन क्षेत्र की वृद्धि एवं SDG लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अत्यावश्यक बताया जा रहा है।

इस विधेयक के कुछ पहलुओं पर विचार करें तो हम पाएंगे कि यह केवल उसी भूमि को वन क्षेत्र मानता है जो कि सरकारी दस्तावेजों में वन के रूप में वर्गीकृत है। इसके अतिरिक्त चिड़ियाघर, पर्यटन केन्द्र आदि बनाने के लिए सरकारी स्वीकृति को न्यूनतम करता है साथ ही गोडावर्मन केस में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अवमानना भी करता है।

अतः हमें फ्रेम के पीछे जाकर पूरी कहानी देखनी आवश्यक है जिससे सम्पूर्ण फिल्म हमें समझ आ सके। इस विधेयक के पारित होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में 100 किमी. तक बुनियादी ढांचा निर्माण में आसानी होगी जिससे भारत की सामरिक शक्ति में भी वृद्धि होगी।

भूमिका भी फ्रेम की दशा की दिशा तय करती है इस पहलू पर भी विचार करें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

आजकल समाज में नित-नये कॉन मैन व गॉडमैन बनकर सामने आ रहे हैं। यहाँ आम जनता के विश्वास, ईमानदारी, प्रतिबद्धता व भक्ति का मजाक बनाया जाता है एवं उनको आखिर में धोखा, धन-अपव्यय एवं अनैतिक कृत्यों का शिकार होना पड़ता है।

अखिल भारतीय हिंदु अखाड़ा समय-समय पर ऐसे लोगों की लिस्ट जारी करता है जिन्हें महन्त या साधु नहीं माना जाना चाहिए किन्तु लोगों की आस्था एवं अंधविश्वास पर इस कदर हावी ये स्वस्थापित भगवान पर्दे के पीछे दानव का रूप लिए होते हैं।

इस सबका मूल कारण भारतीयों का भोलापन एवं भगवान के प्रति श्रद्धा है जिसका अनावश्यक लाभ उठाया जाता है। हमें अपने नैतिक जीवन में उच्चतम मूल्यों एवं आदर्शों का पालन करना चाहिए एवं सिक्के के दोनों पहलुओं पर गौर करना चाहिए। इसके बाद ही कोई निर्णय हमारे एवं समाज के हित में हो सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

तुलसी गौड़ा अपने कार्य में पूरी श्रद्धा एवं विश्वास से लगी हैं। यूँ ही नहीं उन्हें वन विश्वकोष कहा जाता। अतः हमें पर्दे के पीछे के उन लोगों तक अपना स्नेह पहुँचाना चाहिए जिन्होंने समाज एवं भारत की उन्नति में अपना सम्पूर्ण योगदान दिया है।

दैनिक कृत्यों में भी यह समझने की आवश्यकता है कि सिनेमा के पक्ष में दिखने वाला सब कुछ सत्य ही नहीं होता बल्कि उसके पीछे की कहानी कुछ और ही होती है। हमें अपने निर्णयों में सुधार की आवश्यकता है। अपने अन्दर छिपे तर्कशील मानव को बाहर निकालने की जरूरत है।

उपरोक्त के सार रूप में यह ही कहा जा सकता है कि चित्रों पर आधारित समाज हमारे मन: मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ता है। यह छाप सकारात्मक होगी या नकारात्मक यह हम स्वयं पर निर्भर करता है। नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा है कि -

"लम्बे भाषण से अच्छा एक चित्र है।"

निष्कर्ष को अधिक विस्तार से इसे 100-120 शब्द (?) लिखें।

53

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(7)

सबसे बड़ी बाधा आपके आसपास की दुनिया में नहीं बल्कि अपने मन की गहराई में पायी जाती है।

कुछ समय पहले बॉलीवुड की एक फिल्म 'बधाई दो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कहानी एक विवाहित जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है जो दोनों ही LGBTQ समुदाय से सम्बन्ध रखते हैं।

प्रारम्भ में अपने परिवार से सब छिपाकर रखा जाता है किन्तु अन्त में साहस करके दोनों अपने भिन्न-भिन्न रिश्तों के बारे में परिवार से साझा करते हैं। कुछ नाराजगी के बाद परिवार भी आखिरकार मान ही जाता है।

यहाँ नायक व नायिका ने यदि अपने मन की गहराइयों पर काबू नहीं पाया होता तो शायद वे सारी जिन्दगी अपनी असलियत दुनिया के सामने रख ही नहीं पाते अर्थात् सबसे बड़ी बाधा अपने मन से जब उन्होंने पार पायी तो दुनिया ने भी उन्हें सहर्ष स्वीकार किया। यह हमारे मन एवं दुनिया के मध्य अन्तर्द्वन्द्व में मन की जीत को प्राथमिकता देती है।

भूमिका पर आपकी समझ ठीक है

इतिहास में जब चाणक्य का नाम होता है तो स्वमेव ही नंद वंश के धनानंद और चाणक्य के मध्य बहस का चित्र अन्तः मन में उभर आता है। चाणक्य का अपमान करने पर चाणक्य ने कसम खाई कि वह नन्द वंश का विनाश कर देगा।

सिकन्दर के भारत पर आक्रमण के समय उसकी सेना अपने मन पर जीत नहीं पायी एवं व्यास नदी से ही वापस लौट गयी। चाणक्य ने अपने मन को तैयार किया और योग्य राजा की तलाश में जुट गया। उसकी तलाश चन्द्रगुप्त मौर्य के रूप में पूरी हुई।

सभी बाधाओं से पार पाने के बाद चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया और मौर्य साम्राज्य की स्थापना की और स्वयं उसका प्रधानमंत्री बना। चाणक्य को आज भी इसलिए याद किया जाता है क्योंकि उसने सामान्य ब्राह्मण होते हुए भी एक शक्तिशाली नन्द वंश के समापन में अहम भूमिका निभाई जो उनकी सशक्त इच्छाशक्ति का परिचायक है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1960 के दशक में भारत की बढ़ती जनसंख्या को खाद्यान्न उपलब्ध करवाना चुनौतीपूर्ण हो गया था। तब की भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी ने अपने मन की गहराई पर जीत पाकर एक साहसिक निर्णय लिया जिसकी धरातलीय प्रस्तुति एम. एस. स्वामीनाथन ने हरित क्रांति के रूप में दी।

यदि इन्दिरा गाँधी कशमकश में रहकर निर्णय नहीं कर पाती तो लोग भूख से मर जाते। हरित क्रांति के कारण ही भारतीय उत्तरी क्षेत्रों में गेहूँ की बम्पर पैदावार हुई और भारत एक आत्मनिर्भर अनाज वाला देश बन गया।

सिक्किम के लोगों ने जब अपने मन पर काबू पायी तो कृषि के नवीन प्रयासों के रूप में सिक्किम भारत का पहला पूर्ण जैविक राज्य बनकर उभरा। इसके लिए यह आवश्यक था कि किसान सर्वप्रथम अपने मन को अनुकूल बनाए बाकि परिस्थितियाँ एवं बाधाएँ तो स्वमेव अनुकूल हो ही जायेंगी। जो अन्तत: हुआ भी।

कृति के व्यक्तिगत जीवन में यह किस प्रकार प्रभाव डालता है, उसको भी अपने उत्तर में जगह दें

भारत की बेटी - बचाओ - बेटी पढ़ाओ योजना ने लोगों के मन मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। लोगों ने अब लिंग आधारित भेदभाव में कमी की है जिसके परिणामस्वरूप 2004-05 में 918 से बढ़कर बाल लिंगानुपात 2019-20 में 934 हो गया।

भारत के मिसाइलमैन कहे जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति डॉ॰ अब्दुल कलाम एक साधारण परिवार से आते थे। उनके पिता नाव चलाकर गुजर बसर करते थे किन्तु अब्दुल कलाम का सपने प्रारम्भ से ही ऊँचे थे। उन्होंने अपनी मनःस्थिति पर काबू पाकर अपने जीवन में नित नवीन ऊँचाईयों को छुआ।

भारतीय समाज में किसी संवेदनशील एवं सुभेद्य वर्ग के व्यक्ति को अपनी इच्छाशक्ति पर जीत पानी जरूरी है उसके बाद सामाजिक दरवाजों की कीलें स्वतः ही उखड़ती नजर आती है।

उदा॰ कल्पना चावला
टेसी थॉमस (मिसाइल वुमैन ऑफ इंडिया)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

राजनैतिक इच्छाशक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण संविधान के 101 वें संशोधन में देखने को मिला जिससे GST नामक कर संरचना का उद्भव हुआ। राजनीतिज्ञों की समझ बूझ का परिणाम ही था कि अप्रत्यक्ष करों की एक विस्तृत शृंखला को समाप्त कर नवीन कर अध्यारोपित किया गया।

हाल ही में GST के द्वारा भारतीय राजकोष में 1.86 लाख करोड़ की प्राप्ति हुई है। राजनैतिक इच्छाशक्ति का परिचय EWS को आरक्षण पहुँचाने के लिए किए गये 103 वें संविधान संशोधन में भी दिखा।

आर्थिक रूप से पिछड़े समाज को आरक्षण प्रदान करने एवं उन्हें विकास की मूल धारा में सम्मिलित करने का यह प्रयास समावेशी विकास का परिचायक है। यदि मन पर काबू पाकर ऐसा निर्णय नहीं लिया जाता तो शायद आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को मुख्य धारा से अभी विलग ही रहना पड़ता।

समाज, सरकारी, भावना व कार्य के क्षेत्र में अपना विवाद उनके भीतर अलगाव की लहर से कम होगा।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत की बढ़ती वैश्विक पहुँच ने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

ब्रिक्स, बिम्सटेक, सार्क जैसे बहुपक्षीय समूहों में भी भारत अपना शक्ति प्रवर्धन कर रहा है। यदि भारत ने अपना मन बना ही लिया है तो हार्ड पावर के साथ-साथ सॉफ्ट पावर भी मजबूत करनी पड़ेगी।

भारतीय खेल, योगा, आयुर्वेद, बॉलीवुड फिल्में इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती रहेंगी। अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में भी किसी देश को सर्वप्रथम अपने राष्ट्रीय हित को समझना पड़ता है एवं उसी तरह अपनी विदेश नीति का निर्धारण करना होता है। हमें भी अपने आन्तरिक परिदृश्य का प्रेक्षण कर तदनुसार कार्य करना चाहिए।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5% का योगदान देने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था PPP के मामले मे आज विश्व में तीसरे स्थान पर है किन्तु हम प्रति व्यक्ति आय के मामले में 122वें स्थान पर है (6590$) भारत की 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की जिद भी शीघ्र ही पूरी हो जायेगी।

IMF ने भारत को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना है। वैसे भी यदि भारत अपनी सम्पूर्ण शक्ति से कार्य करता है तो अन्य बाधाएं गौण हो ही जायेंगी एवं भारत निश्चित ही आर्थिक सफलता सुनिश्चित करेगा।

इसके अतिरिक्त हमें आय के समान वितरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि ऑक्सफैम के अनुसार भारत के 5% अमीरों के पास भारत की 60% सम्पत्ति संकेन्द्रित है। गरीब से गरीब को भी मुख्य धारा में लाने का गाँधीजी का सपना पूरा करने का समय आज ही है।

भारत की वैज्ञानिक प्रतिबद्धता इसके हाल में प्रक्षेपित चन्द्रयान-3 मिशन में देखने को मिलती है। चन्द्रयान-2 के सॉफ्ट लैंडिंग में विफल होने पर भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी भावनाओं पर काबू पाया एवं रिकॉर्ड अल्प समय में चन्द्रयान 3 प्रक्षेपित कर दिया।

भारत मंगलयान को प्रथम बार में ही उसकी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित करने वाला पहला देश बना। भारत ने अमेरिका के GPS की तर्ज पर ही स्वयं का IRNSS स्थापित किया है।

हम अभी अपने स्वयं के स्पेस स्टेशन से थोड़ा दूर हैं। ये सब भारतीय वैज्ञानिकों की अपने मन पर जीत का ही परिणाम है कि अन्य छोटी-बड़ी बाधाओं को हँसते हुए पार किया गया। हमें स्पेस क्षेत्र में अपनी तरक्की सुनिश्चित करते हुए स्पेस प्रौद्योगिकी का समाज के निचले तबके के लिए उपयोग संभव करना होगा ताकि इनमें से ही कोई वैज्ञानिक चन्द्रयान-4 का डिजाईन तैयार करे।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

मानव अपने मन पर जीत पा ले तो क्या नहीं कर सकता। पहाड़ी को काटकर रास्ता बना दे तो वह माँझी कहलाता है, रेगिस्तान में भी पेड़ उगा दे तो उसका नाम हिम्मत राम भांभू हो जाता है एवं विद्यालयी शिक्षक होने के साथ-साथ सबको पर्यावरण बचाने का संदेश देने वाला ट्री-टीचर भैराराम भाखर हो जाता है।

विश्नोई समुदाय में राजस्थान में हिरण के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने की भी परम्परा है जिसका प्रभाव पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानान्तरित हो जाता है। इसके अलावा नर्मदा बचाओ आन्दोलन, चिपको आन्दोलन एवं अप्पिको आन्दोलन सब मन की जीत की गवाही देते हैं।

चीता पुनर्वास कराने के लिए एक सशक्त इच्छाशक्ति की आवश्यकता थी जिसके बल पर ही चीता का पुनर्वास मध्य-प्रदेश के कुनो-पालपुर अभ्यारण्य में किया गया। मन पर जीत के बाद अन्य सभी बाधाएं छोटी हो गयी।

अपने निबंध को एकांगीय न रखते हुए उसके नकारात्मक पक्षों को भी प्रस्तुत करें।

अपने नैतिक कर्मों से जीवन में नये व उच्च आदर्शों को स्थापित करना तथा निरन्तर विद्यार्थी बने रहना चाहिए। एक अनुसरणकर्ता अपने अग्रज से सीखता है किन्तु उन्हें अपने अनुसार व्यवस्थित करना सब स्वयं पर निर्भर करता है।

जीवन में कर्तव्य के प्रति समर्पित रहना ही कर्तव्यनिष्ठा है। इसके अतिरिक्त सत्यनिष्ठा, समर्पण आदि गुणों का समावेश अपने जीवन में अवश्य करना चाहिए जिससे अन्तर्मन पर जीत हासिल हो सके।

असफलताएं जीवन का हिस्सा है किन्तु इन असफलताओं से सीखकर आगे बढ़ने वाला ही असली योद्धा है। असफलता ही आविष्कार की जननी होती है। असफलताओं से हारकर बैठ जाने से जीवन नहीं बदलता, असफलताओं की सीढ़ी पर ही भविष्य का निर्माण होता है। यह सब भी मानव की मन: स्थिति, उसकी सोच एवं बुद्धिमत्ता पर निर्भर करता है।

निष्कर्ष ठीक थे

56

'बधाई दो' फिल्म के नायक यदि अपनी सच्चाई परिवार वालों तक नहीं पहुँचाते तो अवश्य ही अन्य बाधाएं उन्हे घेरे ही रखती। हमे आवश्यक है कि अपनी नैतिक दुविधाओं एवं अन्तर्द्वन्द्व से बाहर आकर कोशिश की जाये कि सफलता के शीर्ष तक पहुँचे।

स्वयं को बेहतर रूप से जानने, उसके अनुसार आचरण करने से ही विकास का समावेशी एवं उच्चतम स्वरूप सामने आता है। अतः आन्तरिक बाधाओं पर विजय ही असफलताओं पर विजय है और ऐसा करने वाला व्यक्ति ही सफल है। रामधारी सिंह 'दिनकर' के शब्दों में कहा जा सकता है कि -

"निशा दीप्त हो उठी प्राप्त कर पुण्य प्रकाश तुम्हारा,
लिखा जा चुका अनल अक्षरों में इतिहास तुम्हारा,
जिस मिट्टी ने लहू पिया वह फूल खिलायेगी ही,
अम्बर पर घन बन छायेगा ही उच्छ्वास तुम्हारा,
और अधिक ले जाँच देवता इतना क्रूर नहीं है,
थककर बैठ गये क्या भाई मंजिल दूर नहीं है।"